No. of Printed Pages : **4**

MESE-058

00741

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2017

MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) All the questions are **compulsory**.*

*(ii) All the questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about **600 words** :

Explain the features that characterise late childhood. Discuss the role of teachers in guiding students in their late childhood.

OR

Differentiate between qualitative and quantitative techniques of assessment in guidance. Discuss one technique from each type of assessment.

2. Answer the following question in about **600** words :

Explain the features that characterise adolescence. Discuss the teacher's role in guiding students in secondary schools.

OR

Discuss the meaning and significance of mental ability tests for guidance. Describe any three types of mental ability tests with examples.

3. Write short note on **any four** of the following in about **150** words each :

   (a) Comforting skills needed for counselling
   (b) Role of school counsellor
   (c) Non verbal communication during counselling.
   (d) Role of school Principal in providing guidance to the students.
   (e) Techniques of stress reduction.
   (f) Group guidance programmes in schools.

4. Answer the following question in about **600** words :

   Suppose you are appointed as a guidance counsellor in a secondary school, then you are asked to, chalk out a plan for providing group guidance to the students. Describe your plan in terms of its aim, steps to be involved and mechanisms for assessing outcomes of the group guidance programme.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.ई.एस.ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर देने* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : उत्तर-बाल्यावस्था के लक्षणों की व्याख्या कीजिए। विद्यार्थियों को उत्तर-बाल्यावस्था में मार्गदर्शन देने हेतु अध्यापकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

अथवा

निर्देशन में आंकलन की परिमाणात्मक और गुणात्मक तकनीकों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। प्रत्येक प्रकार के आंकलन हेतु एक तकनीक का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : किशोरावस्था के लक्षणों की व्याख्या कीजिए। माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में अध्यापकों की भूमिका का वर्णन कीजिए।

अथवा

निर्देशन में मानसिक योग्यता परीक्षणों के अर्थ तथा महत्व की चर्चा कीजिए। उदाहरण सहित किन्हीं तीन प्रकार के मानसिक योग्यता परीक्षणों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें :

(a) परामर्श हेतु आवश्यक धैर्य कौशल

(b) विद्यालय परामर्शदाता की भूमिका

(c) परामर्श के दौरान अशाब्दिक संप्रेषण

(d) विद्यार्थियों को निर्देशन प्रदान करने में विद्यालय प्रधानाचार्य की भूमिका

(e) तनाव कम करने की तकनीकियां

(f) विद्यालयों में सामूहिक निर्देशन कार्यक्रम

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

मान लीजिए आप एक माध्यमिक विद्यालय में निर्देशन परामर्शदाता के रूप में नियुक्त हुए हैं और आपसे विद्यार्थियों के निर्देशन देने हेतु एक कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। कार्यक्रम के उद्देश्य, सम्मिलित चरणों, परिणामों के आंकलन की विधि का उल्लेख करते हुए अपने समूह निर्देशन कार्यक्रम का वर्णन कीजिए।